व.व.अ.सं., जोरहाट में हिंदी वृत्तचित्र कार्यशाला का आयोजन

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के विस्तार प्रभाग के सम्मेलन कक्ष में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर, 2020 को राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने कार्मिकों को हिन्दी भाषा के महत्व को दर्शाने के उद्देश्य से केंद्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा तैयार एवं प्रस्तुत की गई 'पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी ' विषय पर हिन्दी चित्रवृत्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में किनष्ठ अनुवादक श्री शंकर शॉ ने उपस्थित सभी सहभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। संस्थान के निदेशक डॉ. आर.एस.सी. जयराज, भा.वा.से. की गरिमामयी उपस्थिति प्रेरणादायी रही। उन्होने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रयोगशाला से कर्मचारिवृदों में हिन्दी के प्रति जागरुकता बढ़ेगी और उन्होने यह भी संबोधित किया कि हिन्दी का संपर्क भाषा के रूप में विशेष महत्व है। उन्होने सभी को पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी भाषा के साथ-साथ देवनागरी लिपि का अत्यधिक प्रयोग करने का अनुरोध किया। उन्होने बल देते हुए कहा कि हमें हिन्दी बोलने के साथ-साथ लिखने पर जोर देना चाहिए।

उनके संबोधन पश्चात, पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी विषयक वृत्तचित्र को सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिखाया गया। लगभग दो घंटे की इस हिन्दी वृत्तचित्र कार्यशाला कार्यक्रम में पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई विविधता पर चर्चा की गई है। वृत्तचित्र में पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों में हिन्दी की शुरुआत और इसके प्रचार-प्रसार में व्यक्ति एवं संस्थागत प्रयासों पर सक्षिप्त एवं सारगर्भित चर्चा प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में, हिन्दीतर या अन्य भाषा-भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारिवृंदों के लिए दिखाये गए हिन्दी वृत्तचित्र के आधार पर एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के कार्मिकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। लिखित परीक्षा में पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से संबंधित सामान्य ज्ञान, विभिन्न भाषा, संस्कृति आदि पर आधारित रही। कर्मचारियों ने सउत्साह इस लिखित प्रतियोगिता में भाग लिया। लिखित परीक्षा प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी त्रैमासिक कार्यशाला में पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यशाला का सफल समापन बड़ी संख्या में उपस्थित संस्थान के प्रभागाध्यक्षों सहित अधिकारयों एवं कर्मचारियों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



